GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE
DEPARTMENT OF ANIMAL HUSBANDRY, DAIRYING AND FISHERIES
LOK SABHA
UNSTARRED QUESTION NO.3399
TO BE ANSWERED ON 7TH AUGUST, 2018

MILK PRICES

3399. SHRI S. RAJENDRAN:
SHRI T. RADHAKRISHNAN:
SHRI BIDYUT BARAN MAHATO:
KUNWAR HARIBANSH SINGH:
SHRI S.R. VIJAYAKUMAR:
SHRI ASHOK SHANKARRAO CHAVAN:

Will the Minister of AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE कृषि और किसान कल्याण मंत्री be pleased to state:

(a) the total quantum of Skimmed Milk Powder (SMP) exported during each of the last three years and the current year;

(b) whether international prices of SMP have crashed and dairy companies in the country are not able to export SMP produced from the surplus milk and if so, the details thereof;

(c) whether there is also a sharp fall in wholesale milk prices in the country recently and if so, the details thereof;

(d) whether the farmers in some parts of the country particularly Maharashtra have been agitating against a sharp fall in wholesale milk prices and if so, the details thereof;

(e) whether the Government proposes to fix MSP for milk in the country on the lines of agricultural produce; and

(f) if so, the details thereof and if not, the reasons for the same along with the corrective measures taken/being taken by the Government to overcome the difficulties faced by farmers?

ANSWER

THE MINISTER OF STATE FOR AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE

(SHRIMATI KRISHNA RAJ)

(a) The total quantum of Skimmed Milk Powder (SMP) exported during each of the last three years and the current year is given below;

Year	Quantity (in Tonnes)
2015-16	13,838.21
2016-17	14,698.17
2017-18	11,307.88
2018-19(Apr-May)	1,539.57

(Source: D/o commerce)

(b) International price of Skimmed Milk Powder (SMP) has decreased from $2450-2650 per metric tonnes during March 2017 to $ 1925-2075 per metric tonnes during July 2018 (source: USDA).

(c) Month-wise Wholesale Price Index (Base Year:2011-12=100) of milk during last one year is given below;

Month /Year	Jan	Feb	Mar	Apr	May	Jun	Jul	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
2017	135	135.4	136.5	137.7	138.5	139.2	139.2	139.7	140.4	140.2	140.2	140.2
2018	140.3	140.6	140.7	141.2	141.7	142.5	-	-	-	-	-	-

(Source: Ministry of Commerce and Industries)

(d) This Department received the information about agitation in Maharashtra by dairy farmers demanding subsidy for milk producing farmers. In Maharashtra, 50,000 Tonnes stock of Skimmed Milk Powder (SMP) was lying in the godowns of Cooperative and Private sector dairies and the demand is low in the market. This is likely to affect the procurement price given to the farmers. Government of Maharashtra has taken following measures to overcome the situation;

(i) Export Subsidy of Rs 50/- Per Kg of SMP and Rs 5/ litre of liquid milk for next three months period.

(ii) Subsidy of Rs 5/- per litre for cow milk for conversion into milk products to cooperatives and private dairies subject to condition that minimum price of Rs 25/litre shall be paid to farmers digitally.

(iii) Government of Maharashtra has issued directions to supply milk and milk products through Schools under Mid Day Meal Scheme and Anganwadis under ICDS scheme.

(iv) The State Government approved the sale of Aarey's milk through Fair Price Shop.

(e) & (f) Government does not control prices of milk. This department does not have any proposal to fix MSP for milk in the country. Milk is a highly perishable product and prices are decided by the Cooperative and Private dairies based on cost of production. The Government of India, D/o Commerce vide notification dated 13.07.2018 has allowed 10% export incentive under Merchandise Export from India Scheme (MEIS) for all dairy products.

****

भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

पशुपालन, डेयरी और मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 3399

दिनांक 07 अगस्त, 2018 के लिए प्रश्न

विषय: दूध की कीमत

3399. श्री एस॰ राजेन्द्रनः
श्री टी॰ राधाकृष्णनः
श्री विद्युत वरण महतोः
कुँवर हरिवंश सिंहः
श्री एस॰आर॰ विजय कुमारः
श्री अशोक शंकरराव चव्हाणः

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान आयातित स्किम्ड मिल्क पाउडर (एसएमपी) की कुल मात्रा कितनी है;

(ख) क्या एसएमपी की अंतर्राष्ट्रीय कीमत में गिरावट हुई है और देश में डेयरी कम्पनियां अतिशेष दुग्ध - मात्रा से उत्पादित एसएमपी का निर्यात करने में सक्षम नहीं हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या हाल ही में देश में दुग्ध के थोक बिक्री मूल्य में भी अत्यधिक गिरावट हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या देश के कुछ भागों विशेषकर महाराष्ट्र में किसान दुग्ध के थोक बिक्री मूल्य में अत्यधिक गिरावट के विरुद्ध रोष प्रकट कर रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार का कृषि उत्पादों की तर्ज पर देश में दुग्ध हेतु एमएसपी निर्धारित करने का विचार है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और किसानों के समक्ष आ रही कठिनाइयों से उबरने के लिए सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक उपाय किए गए/किए जा रहे हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री

(श्रीमती कृष्णा राज)

(क) पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान तथा वर्तमान वर्ष में आयातित स्किम्ड दूध पाउडर (एसएमपी) की कुल मात्रा निम्नानुसार है;

वर्ष	मात्रा (टन में)
2015-16	13,838.21
2016-17	14,698.17
2017-18	11,307.88
2018-19(अप्रैल-मई)	1,539.57

(स्रोत: वाणिज्य विभाग)

(ख) स्किम्ड दूध पाऊडर (एसएमपी) की अंतर्राष्ट्रीय कीमत मार्च, 2017 के दौरान 2450-2650 अमरीकी डालर से घटकर जुलाई, 2018 के दौरान 1925-2075 अमरीकी डालर हो गई (स्रोत : यूएसडीए).

(ग) पिछले वर्ष के दौरान दूध का महीनेवार थोक मूल्य सूचकांक (बेस वर्ष : 2011-12=100) निम्नानुसार है;

महीना /वर्ष	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
2017	135	135.4	136.5	137.7	138.5	139.2	139.2	139.7	140.4	140.2	140.2	140.2
2018	140.3	140.6	140.7	141.2	141.7	142.5	-	-	-	-	-	-

(स्रोत: वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय)

(घ) इस विभाग को दूध उत्पादक किसानों के लिए सब्सिडी मांग रहे डेयरी किसानों द्वारा महाराष्ट्र में किए जा रहे आंदोलन के बारे में सूचना मिली। महाराष्ट्र में सहकारिताओं तथा निजी सेक्टर की डेयरियों के गोदामों में स्किम्ड दूध पाउडर (एसएमपी) का 50,000 टन स्टॉक पड़ा हुआ था और बाजार में मांग कम थी। इससे किसानों को दिए जाने वाले खरीद मूल्य पर असर पड़ने की संभावना है। महाराष्ट्र सरकार ने इस स्थिति से उबरने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं;

(i) अगले तीन महीने के लिए एसएमपी हतु 50/- रूपए प्रति किलोग्राम तथा तरल दूध हतु 5/- रूपए प्रति लीटर की निर्यात सब्सिडी।

(ii) सहकारिताओं तथा निजी डेयरियों को गाय के दूध को दूध उत्पादों में परिवर्तित करने के लिए 5/- रूपए प्रतिलीटर की सब्सिडी बशर्ते कि किसानों को न्यूनतम 25 रूपए प्रति लीटर की कीमत डिजिटल रूप से अदा की जाए।

(iii) महाराष्ट्र सरकार ने मध्याह्न भोजन योजना के अधीन स्कूलों तथा आईसीडीएस के अंतर्गत आंगनवाड़ियों के माध्यम से दूध तथा दूध उत्पादों की आपूर्ति के लिए निदेश जारी किए हैं।

(iv) राज्य सरकार ने उचित दर दुकान के माध्यम से 'आरे' दूध की बिक्री को अनुमोदित किया है।

(ङ) और (च) सरकार दूध की कीमतों को नियंत्रित नहीं करती। इस विभाग के पास देश में दूध की एमएसपी को नियत करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। दूध एक बहुत ही जल्दी खराब होने वाला पदार्थ है तथा इसका मूल्य उत्पादन लागत के आधार पर सहकारिता तथा निजी डेयरियों द्वारा तय किया जाता है। भारत सरकार, वाणिज्य विभाग ने दिनांक 13/7/2018 की अधिसूचना के द्वारा सभी डेयरी उत्पादों के लिए भारत से सामान का निर्यात योजना के अंतर्गत 10% निर्यात प्रोत्साहन की अनुमति दी है।

****